particularly distressing for parents living away from their children, as it not only inflicts financial harm, but also causes emotional trauma. As cybercrimes are at rapid upsurge, the Government must take immediate and stringent actions for faster convictions and severe punishments. I would also sincerely request the Ministry of Electronics and Information Technology to conduct campaigns at war footing to create awareness among citizens about the evolving means of scams.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri B. Parthasaradhi Reddy: Shrimati Mahua Maji (Jharkhand), and Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu).

Shri Pradip Kumar Varma; demand for starting rail service from Badbil to Ranchi.

Demand to start rail service from Badbil to Ranchi

श्री प्रदीप कुमार वर्मा (झारखंड): महोदय, झारखंड राज्य की स्थापना के 24 वर्षों बाद भी पश्चिमी सिंहभूम कोल्हान क्षेत्र रेल मार्ग द्वारा राजधानी से नहीं जुड़ पाया है। गुआ, बड़बील, नोआमुंडी, डांगुवापोसी, झींकपानी के लोगों को चाईबासा बस स्टैंड आकर बस के माध्यम से राजधानी रांची जाना पड़ता है, जिसमें भारी राशि और समय खर्च होता है। यात्रियों को चाईबासा से रांची के लिए बस किराये के रूप में 350 रुपये, वहीं गुआ, बड़बील, नोआमुंडी से रांची के लिए बस किराये के रूप में 450 रुपये व्यय करने पड़ते हैं। ट्रेन की उपलब्धता नहीं होने के कारण, यात्रियों को सड़क मार्ग से लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। देश का सबसे घना सारंडा का जंगल, "हो" जनजातियों का निवास स्थान, भी इसी क्षेत्र में है।

8.00 P.M.

चक्रधरपुर मंडल अंतर्गत यह क्षेत्र खनिज पदार्थ की ढुलाई कर भारतीय रेलवेज़ को सर्वाधिक राजस्व प्रदान कर रहा है। खनिज पदार्थों के साथ-साथ चाईबासा शिक्षा क्षेत्र में इंजीनियरिंग कॉलेज, डिप्लोमा कॉलेज, आईटीआई और नई कोल्हान यूनिवर्सिटी बनाए जाने से शिक्षा का हब बन गया है। चाईबासा का यह क्षेत्र झारखंड में एसीसी सीमेंट, राजखरसावां में बांगुर सीमेंट कंपनी के भारी उत्पादन से रेलवे को व्यवसाय देने का कार्य बड़ी कुशलता से कर रही है, किंतु यह चिंताजनक है कि अरबों रुपये के व्यवसाय देने वाला कोल्हान क्षेत्र अब भी प्रमुख क्षेत्रों के रेल मार्गों की सुविधा से वंचित है। उपरोक्त परिस्थिति में, मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि कोल्हान प्रमंडल के विकास एवं यात्रियों की सुविधा को देखते हुए बड़बील से रांची वाया चाईबासा फास्ट मेमो ट्रेन का परिचालन प्रारंभ करने की पहल करें।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with

the Special Mention raised by the hon. Member, Shri Pradip Kumar Varma: Shri Deepak Prakash (Jharkhand), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shri Nagendra Ray (West Bengal), Shri Kesridevsinh Jhala (Gujarat), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh) and Shrimati Mahua Maji (Jharkhand).

Thank you, Pradip Kumar Varma*ji*. Now, Shrimati Sumitra Balmik on 'Demand for direct train services from Jabalpur to Pune, Mumbai, Hyderabad, Bengaluru and Delhi'.

Demand for direct train services from Jabalpur to Pune, Mumbai, Hyderabad, Bengaluru and Delhi

श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं आज एक अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ, जो न केवल जबलपुर के निवासियों बल्कि पूरे महाकौशल क्षेत्र को प्रभावित करता है। जबलपुर, भारत के केंद्र में स्थित होने के कारण हमारे देश के चारों दिशाओं के भागों को जोड़ने वाला एक प्रमुख जंक्शन है। यह न केवल एक महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है, बल्कि एक मंडल मुख्यालय भी है, जो मध्य प्रदेश के कई प्रमुख जिलों की सेवा करता है। अपने व्यापक सड़क, रेल, और हवाई नेटवर्क के माध्यम से, जबलपुर एक करोड़ से अधिक लोगों को कनेक्टिविटी प्रदान करता है। वर्षों से जबलपुर से देश के विभिन्न हिस्सों और आर्थिक केंद्रों की ओर यात्रा करने वाले लोगों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। विशेष रूप से युवा वर्ग पुणे, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली जैसे विकसित महानगरों में रोजगार, शिक्षा, और बेहतर अवसरों की खोज में जाता है।

जबलपुर से इन महानगरों तक सीधी ट्रेनों की सीमित संख्या के कारण, यात्रियों को अप्रत्यक्ष मार्ग अपनाने पड़ते हैं। यह सीधी ट्रेन सेवाओं की कमी, न केवल व्यक्तिगत प्रगति में बाधा डालती है, बल्कि महाकौशल क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी सीमित करती है। इसलिए जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए, मैं अनुरोध करती हूँ कि पुणे, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली तक सीधी ट्रेन सेवाओं को बढ़ाया जाए। महोदय, मैं रेलवे मंत्रालय से आग्रह करती हूँ कि वह इस महत्वपूर्ण मांग पर विचार करे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Special Mention raised by the hon. Member, Shrimati Sumitra Balmik: Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand) and Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh).

Thank you, Shrimati Sumitra Balmik. Now, Shrimati Dharmshila Gupta on 'Demand of trains from Delhi to Darbhanga'.